विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 31 | अंक: 23 | जयपुर 1 जून, 2017 | RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17 | वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य:2.50 | पृष्ठ-12

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 8764425593, 9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

राजस्थान में विशेष योग्यजन शिविरों का आयोजन एक जून से

विशेष योग्यजनों का डाटा बेस तैयार होगा

जयपुर (कासं)। विशेष योग्यजनों के सशक्तिकरण एवं कल्याण हेतु राज्य में एक जून से आरम्भ हो रहे पं. दीन दयाल उपाध्याय विशेष योग्यजन शिविरों के आयोजन को लेकर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरूण चतुर्वेदी की अध्यक्षता में यहां अम्बेडकर भवन में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य विशेष योग्यजनों का चिन्हीकरण कर उनका पंजीयन करके उन्हें नि:शक्तता प्रमाण पत्र जारी करना, राज्य के विशेष योग्यजनों का डाटा बेस तैयार कर ऑनलाईन रिकॉर्ड संधारित करना एवं उनकी आवश्यकता व पात्रता के अनुसार कृत्रिम अंग और सहायक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इन शिविरों में विशेष योग्यजनों को यू.डी.आई.डी. कार्ड भी जारी करवाया जायेगा और उन्हें पेंशन, बस या रेल पास, ऋण एवं पालनहार आदि योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें इसका फायदा दिया जायेगा।

डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि विशेष योग्यजनों के लिए चलाई जा रही सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन में स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक सस्थाओं की भागीदारी आवश्यक है और सरकार एवं स्वंयसेवी संगठनों के आपसी तालमेल से निशक्तजनों के लिए बनाई जा रही नीतियां व्यापक रूप से सफल होंगी।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय विशेष योग्यजन शिविर तीन चरणों में सम्पादित किये जायेंगे। इसमें 1 जून से 24 सितम्बर तक विशेष योग्यजनों का चिन्हीकरण एवं पंजीयन होगा तथा 25 सितम्बर से 12 दिसम्बर तक विधानसभावार कैम्प आयोजित कर निशक्तता प्रमाणीकरण का कार्य होगा। इसी प्रकार 13 दिसम्बर, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक जिला स्तर पर कैम्प आयोजित कर कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन होगा।

उन्होंने कहा कि चिन्हीकरण सबसे आवश्यक है क्योंकि इसी के आधार पर सरकार द्वारा नि:शक्तजनों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण होता है। जिला कलेक्टर अपने जिलों में विशेष योग्यजनों को चिन्हित एवं पंजीकृत करेंगे तथा यह सुनिश्चत करेंगे कि कोई भी पात्र विशेष योग्यजन पंजीकरण से शेष न रहे। महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, ग्रामीण एवं पंचायतीराज एवं चिकित्सा आदि विभागों के समन्वित प्रयासों से यह सम्भव होगा।

बैठक में प्रजेंटेशन के माध्यम से विभिन्न स्वंयसेवी संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को शिविर में होने वाली प्रक्रियों के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वंयसेवी संगठनों ने भी अपने सुझाव और सरकार से अपनी अपेक्षाएं बताईं। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव अशोक जैन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के आयुक्त धन्नाराम पुरोहित एवं निदेशक डॉ. समित शर्मा महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त सचिव आभा बेनीवाल, भगवान महावीर संस्थान के डी.आर. मेहता, ''उमंग'' संस्थान की मीनाक्षी श्रीवास्तव, ''दिशा'' संस्थान की रेणु सिंह सहित राज्य के अनेक स्वयंसेवी संगठनों ने भाग लिया।

21 जून को डॉ.शकुन्तला मिश्रा यूनिवर्सिटी के दिव्यांग पीएम के साथ लखनऊ में करेंगे योग

लखनऊ (विमं डेस्क)। 21 जून को इंटरनेशनल योगा डे है। इस दिन पीएम नरेंद्र मोदी लखनऊ के रमाबाई मैदान में योग करने के लिए आने वाले हैं। ऐसे में राजधानी के डॉ. शकुन्तला मिश्रा नेशनल रिहेबिलिटेशन यूनिवर्सिटी के दिव्यांग स्टूडेंट्स भी पीएम के साथ योगाभ्यास करेंगे। यूनिवर्सिटी की तरफसे इसके लिए स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग दी जाएगी। इस प्रोग्राम में जो भी स्टूडेंट्स पार्टिसिपेट करेगा, उसे यूनिवर्सिटी की तरफ से सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। डॉ.शकुन्तला मिश्रा नेशनल रिहेबिलिटेशन यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो.निशीथ राय ने बताया कि

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इस बार दिव्यांग स्टूडेंट्स पीएम के साथ योग करेंगे। इसके लिए अभी से तैयारियां की जा रही हैं। टीचर्स को निर्देश दिया गया है की वे समय से काम पूरा कर लें। रमाबाई मैदान में योग करने के दौरान दिव्यांगों को कोई प्रोब्लम न हो, इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है।

दिव्यांग बेटियों की गुहार पर सीएम योगी ने परिवार को दिया घर का तोहफा

लखनऊ (विमं डेस्क)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास पहुंचकर दिव्यांग बेटियों ने गुहार लगाई तो उन्होंने परिवार को छत मुहैया कराने को कहा है। लखीमपुर खीरी के धौहररा कस्बे के निवासी सुरेन्द्र चौरसिया को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। उन्होंने अधिकारियों को चौरसिया को प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास, शौचालय तथा राशन कार्ड मुहैया कराने को कहा है।

सुरेन्द्र चौरसिया जन्म से दृष्टिहीन अपनी बेटियों के साथ आज मुख्यमंत्री से मिले और उनसे अपने बच्चों के पालन-पोषण के लिए सहायता का अनुरोध किया। चौरसिया ने बताया कि उनके चार बच्चे हैं। उनकी सबसे छोटी दोनों बेटियां जन्म से दृष्टिहीन हैं, जिनका उपचार संभव नहीं है। चिकित्सकों ने उनके दो अन्य बच्चों को आंखों की नियमित जांच कराने की भी सलाह दी है। चौरसिया की अत्यन्त कमजोर आर्थिक स्थिति और पारिवारिक परिस्थितियों के दृष्टिगत करते हुए मुख्यमंत्री ने सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए उन्हें वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का फैसला लिया है।

विचार मंच

जिस दिन हम ये समझ जायेंगे किए सामने वाला गलत नहीं है। सिर्फ उसकी सोच हमसे अलग है। उस दिन हमारा जीवन सुखी हो जायेगा और दु:ख समाप्त हो जायेंगे॥ **-अज्ञात**

संगीत का मजा चुपके से दे रहा कानों को सजा

आजकल किशोरों में आईपाड और एमपी 3 प्लेयरों का चलन काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। मगर वह यह नहीं जानते कि संगीत का यह मजा उनके लिए ऐसी सजा भी बन रहा है जो आने वाले समय में उन्हें गाना सुनने के लिए तरसा सकता है। लोग हमेशा कानों में ईयरफोन या हेडफोन की मदद से गाने सुनते रहते हैं। तेज आवाज में होने के कारण यह गाने कानों के पर्दे पर विपरीत प्रभाव डालते हैं। कई शोधों में भी यह बात सामने आयी है कि तेज आवाज में गाने सुनना आपको बहरा तक बना सकता है।

पिछले 15 सालों के दौरान अमेरिकी किशोरों में बहरेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। अब हालत यहां तक आ गई है कि पांच में से एक किशोर उतनी गंभीर श्रवण समस्या से जूझ रहा है जितनी अमूमन 50 से 60 साल की उम्र वाले लोगों को होती है। हार्वर्ड स्कूल आफ पब्लिक हेल्थ और बर्मिघम एंड वूमेंस हास्पिटल बीडब्लूएच, के शोधकर्ताओं के अनुसार 1988-94 के सर्वेक्षण से लिए गए आंकड़ों की तुलना में, 2005-06 में 12-19 साल के अमेरिकी किशोरों में किसी भी तरह के बहरेपन में 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही, पिछले 15 सालों के दौरान अमेरिकी किशोरों में हल्के या गंभीर रूप से बहरेपन में 70 फीसदी की बढ़ोत्तरी पाई गई है। शोधकर्ताओं ने पांच में से कम से कम एक किशोर में सुनने की क्षमता में कमी के प्रमाण पाए हैं जबकि 20 में से एक में सुनने की क्षमता में बेहद हल्की कमी पाई है। बीडब्लूएच में चेनिंग प्रयोगशाला के फिजीशियन इंवेस्टिगेटर और अध्ययन के अगुवा रहे जोसेफ शारगोरोडस्काई ने कहा कि इन किशोरों ने सामान्य फुसफुसाहट, सीटी, कुछ निश्चित संगीत के सुर और उच्च आवृत्ति वाली आवाजों को सुनने में दिक्कतें महसूस की होंगी। उन्होंने कहा, किशोरों में सुनाई देने की क्षमता में कमी पिछले अध्ययन को देखते हुए और चिंताजनक हो जाती है। इस अध्ययन में पाया गया था कि किशोर सुनाई देने के महत्व और शोर के खतरों को कम आंक रहे हैं। वह अपनी श्रवण क्षमता बचाने को प्राथमिकता नहीं दे रहे हैं। अध्ययन में किशोरों के बीच बढ़ते बहरेपन का कोई मुख्य कारण नहीं दिया गया है। हालांकि शोधकर्ता जांच रहे हैं कि क्या सेलफोन और ईयरफोन से सुना जाने वाला संगीत इसका कारण है। जोसेफ ने कहा, बहरेपन के कारण को बेहतर तरीके से समझने के लिए आगे शोध किए जाने बेहद जरूरी हैं। यह इतना व्यापकता के साथ क्यों बढ़ रहा है और यह अन्यों से ज्यादा कुछ जनसंख्या को ही क्यों प्रभावित कर रहा है। साथ ही इससे निपटने के लिए किस तरह से कारगर उपाय किए जा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि अमेरिका में लड़कियों की अपेक्षा लड़कों में बहरेपन की समस्या ज्यादा है। 2005-06 में करीब 22 फीसदी लड़कों और 17 फीसदी लड़कियों ने कम सुनाई देने की समस्या जाहिर की थी।

11वीं की इस लड़की ने लाइब्रेरी के लिए इकट्ठे किये 10 लाख

नई दिल्ली (विमं डेस्क)। अपनी रफ़्तार से चलती दुनिया में दूसरों के लिए जीने वाली लड़की का नाम है अनन्या, जी हां अनन्या सलूजा जो दूसरों की खुशी की ख़ातिर अपना जीवन उनके नाम करने में लगी हुई हैं। महज 17 साल की अनन्या सलूजा जो कि अभी 11वीं क्लास में पढ़ती हैं वह दूसरों के चेहरे पर खुशी देखने के लिए हज़ारों मील दूर जाकर ज़िन्दगी से जुड़ते हुये न केवल ज़िन्दगी शब्द के मायने बताती बल्कि उसे चरितार्थ भी करती है। अनन्या पिछले 3 सालों से अपनी

गर्मियों की छुट्टी लेह में बिता रही हैं। बच्चों को पढ़ाने के अलावा उन्होनें वहाँ प्लेग्राउंड और लाइब्रेरी बनाने के लिए 10 लाख से भी ज़्यादा का फंड जमा कर के दिया है।

दरअसल, यह तब शुरू हुआ जब अनन्या के स्कूल कम्यूनिटी सर्विस प्रोग्राम के ज़रिये जिसमें उसे ग़रीब बच्चों को पढ़ाना था, प्रोग्राम तो कुछ ही समय में खत्म हो गया लेकिन अनन्या के लिए तो यह शुरूआत थी।

2015 में अनन्या लेह के लिक्तसीय, तुरतुक और त्यालिंग जिलों में बच्चों को पढ़ाने गई थी। 2016 में लेह के माथो जिले में गई थी। अनन्या का 600 से ज़्यादा बस्तियों और 1000 से ज़्यादा गवर्नमेंट स्कूल्स में काम किया। उन्होंने क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। अभी तक उन्होंने 19 लाइब्रेरीस के लिए फंड जमा कर लिया है और आगे भी वह कश्मीर के इन बच्चों के लिए फंड्स जमा करती रहेंगी। 17 साल की अनन्या ज़िन्दगी का फ़लसफा है कि ज़िन्दगी वह है जो औरों के लिए जी जाए खुद के लिए जिए ऐसी ज़िन्दगी किस काम की।अनन्या का कहना है कि वह संस्थान को बेहतरीन काम करते हुए देखा है पर कुछ हफ्तों के अलावा मैं कुछ और नहीं दे पाती। मैनें दूसरी तरह से मदद करने का रास्ता खोज लिया है। मैं धनराशि इकट्ठा कर के उनकी पहुंच लेह की सीमाओं से आगे बढ़ाने में लगी हुई हूं। मुझे अब लेह के कारगिल जिले में लाइब्रेरियों की स्थापना करनी है। उन्होंने 19 लाइब्रेरियों के लिए धनराशि इकट्ठा कर ली है। उम्मीद करती हूं कि मैं अपने बच्चों और कश्मीर के लिए ज्यादा से ज्यादा रकम जमा कर सकूं।

अनन्या सिर्फ एक लड़की नहीं, बल्कि भारत के युवाओं की सोच है। जिसका दुनियाँ को देखने का नज़रिया अलग है। जो कुछ करना चाहते हैं समाज के लिए और जानते हैं शिक्षा से बड़ा हथियार उनके पास कोई दूसरा नहीं। जो समझते हैं देश के और समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी और जो लगे हुए हैं इस कोशिश में जिससे समाज में समानता और खुशहाली आ सके।

अनन्या ने अपनी मेहनत से पोस्ट, एग्जाम ब्रेक में कमाए सारे पैसे जम्मू-कश्मीर के लेह में ग़रीब बच्चों की पढ़ाई में लगा दिए। 2 महीने के वालंटियर प्रोग्राम के बाद अनन्या को अहसास हुआ कि उसने उन बच्चों से ज़ उसे लोगों की ज़िंदगी और रोज़ की तकलीफों का पता चला। हमारे लिए टेबलेट रोज़ की ज़िंदगी है। लेकिन यहाँ के बच्चों के लिए यह एक मैजिक-स्क्रीन है। मुझे थोड़ा टाइम लगा था बच्चों से घुलने-मिलने में क्यूंकी उनकी ज़िंदगी बिल्कुल जुदा है।

मीनू स्कूल का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया

अजमेर (निप्र)। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल, संस्था द्वारा संचालित मीनू स्कूल में वार्षिकोत्सव का आयोजन बड़े धूमधाम के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि निमेष दुबे (प्राचार्य राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय, अजमेर) डॉ. शिवस्वरूप माथुर (मित्तल हॉस्पीटल) राकेश कौशिक (निदेशक) डॉ. भंवर खलदानिया (जे.एल.एन, अजमेर) कुमावत युवा शक्ति रूपनगढ़ के अध्यक्ष कैलाश घुधारियां किशनगढ़ के अध्यक्ष प्रभुदयाल जी तुनगारिया, प्रदेश प्रवक्ता शिवदयाल डाबोलिया, कोषाध्यक्ष देवकरण जी कुदाल, मीडिया प्रभारी, सूरज किरोडीवाल, मंत्री रामरतन डाबोलिया, गोरधन माचीवाल पशुधन सहायक, लोकेश दम्बीवाल, बी.जे.पी. बूथ अध्यक्ष बाबूलाल दम्बीवाल द्वारा सरस्वती पूजन कर किया। दिव्यांग बच्चों ने मिलकर स्वागत गीत वाद्ययंत्र कोंगो आदि बजाकर प्रस्तुत किया संस्था निदेशक राकेश कौशिक व प्रधानमंत्री (बाल संसद) करण पुजारा ने अतिथियों को पुष्प माला भेंटकर स्वागत किया इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में विद्यालय के बच्चों ने सामूहिक व एकल नृत्य और बाल कविताएं प्रस्तुतकर सबका मन मोह लिया। फाल्गुन, कमलेश ने ''बेबी को बेस पसंद है'' गीत पर मंत्र मुग्ध कर लिया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक ईश्वर शर्मा द्वारा प्रगति प्रतिवेदन में जानकारी देते हुए बताया की वर्तमान में 143 बच्चे अध्ययनरत् है, छात्र वशी व फाल्गुन का स्पेशल ऑलम्पिक भारत नेशनल चेम्पियनशिप (टेबल टेनिस) में चयन हुआ, करण पुजारा, मोनिका बागडी फाल्गुन को सम्राट पृथ्वीराज चौहान सम्मान, श्रीराम सेवा समिति द्वारा ''शिक्षा मंत्री'' के हाथों प्रदान किया गया। नवरात्रा महोत्सव में जिला प्रशासन द्वारा विद्यालय को सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय, अजमेर के 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया व एकल व सामुहिक नृत्य प्रस्तुत किया। डॉ. खलदानिया के सहयोग द्वारा दिव्यांग बच्चों में शारीरिक, मानसिक, व आध्यात्मिक विकास के बार में अवगत कराकर समस्याओं का समाधान किया। डॉ. कृष्ण कुमार बाकोलिया द्वारा नियमित भौतिक चिकित्सा करवाने हेतु अभिभावकों को प्रेरित किया। इस कार्यक्रम निदेशक महोदय द्वारा सभी अतिथियों आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में दिशा मीनू के बच्चों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सुमित पारीक, चन्द्रकला शर्मा, मृगनैना चौहान, रविकांता जावेद खान (राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय, अजमेर) रामरतन व देवकरण लोकेश जी, गोर्वधन बाबूलाल, सूरत आदि उपस्थित थे।

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चद्दा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र ने बनाई रामपत्री पौधे से कैंसर की दवा

नई दिल्ली (विमं डेस्क)। देश की सुरक्षा के लिए परमाणु बम बनाने वाले भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिक मानव जीवन की रक्षा के लिए कैंसर की दवा बनाने के काम में भी दिन-रात जुटे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने रामपत्री पौधे से कैंसर की एक नई दवा बनाई है, जो दुनियाभर में कैंसर रोगियों के जीवन की रक्षा करने में मददगार हो सकती है। इससे पहले बार्क कैंसर के कोबाल्ट थैरेपी उपचार के लिए भाभाट्रोन नाम की मशीन भी बना चुका है जिसका इस्तेमाल आज दुनिया के कई देशों में हो रहा है। देश के परमाणु कार्यक्रम के जनक एवं स्वप्नदृष्टा होमी जहांगीर भाभा के नाम पर मुंबई में स्थापित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) देश के इस महान दिवंगत वैज्ञानिक के सपनों को पूरा करने के क्रम में नए-नए अविष्कार करने में लगा है। बार्क द्वारा रामपत्री नामक पौधे के अणुओं से बनाई गई कैंसर की दवा कर्क रोग के उपचार में क्रांति लाने में सहायक हो सकती है। रामपत्री भारत के पश्चिम तटीय क्षेत्र में पाया जाने वाला पौधा है जिसका वनस्पति वैज्ञानिक नाम मिरिस्टिका मालाबारिका है। इसे पुलाव और बिरयानी में सुगंध के लिए मसाले के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इससे बनाई गई कैंसर की दवा का परीक्षण चूहों पर किया जा चुका है।

यह दवा फेफड़े के कैंसर और बच्चों में होने वाले दुर्लभ प्रकार के कैंसर न्यूरोब्लास्टोमा के उपचार में काफी असरदार साबित हो सकती है। न्यूरोब्लास्टोमा एक ऐसा कैंसर है जिसमें वृक्क ग्रंथियों, गर्दन, सीने और रीढ़ की नर्व कोशिकाओं में कैंसर

कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं। इस दवा को ईजाद करने वाले बार्क के विकिरण एवं स्वास्थ्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ.बिरिजा शंकर पात्रो ने बताया कि रामपत्री फल के अणुओं में कैंसर कोशिकाओं को नष्ट करने की क्षमता होती है।

यह विकिरण के चलते बेकार हुई कोशिकाओं को भी दुरुस्त करने में मदद करते हैं। बार्क कई वर्षों से औषधीय एवं मसालों के लिए इस्तेमाल होने वाले पौधों के अणुओं से कैंसर की दवा बनाने के काम में लगा था। कैंसर की दवाओं की खोज की कड़ी में मुंबई के अणुशक्ति नगर स्थित केंद्र ने ब्रेडियो प्रोटेक्टर और ब्रेडियो मॉडिफाइर नाम से दवाएं बनाई हैं। बार्क के बायो साइंस विभाग के प्रमुख एस. चट्टोपाध्याय ने बताया कि इन दवाओं के अमेरिकी पेटेंट के लिए आवेदन किया गया है और जल्द ही पेटेंट मिल जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इन दवाओं के प्री.क्लिनिकल ट्रॉयल हो चुके हैं और मानव शरीर पर परीक्षण के लिए औषधि महानियंत्रक से अनुमति मांगी गई है। रेडियो मॉडिफाइड दवा को बेंगलुरु की एक औषधि अनुसंधान कंपनी को हस्तांतरित किया गया है तथा जून से मुंबई स्थित टाटा मेमोरियल अस्पताल में इस दवा का क्लिनिकल ट्रॉयल शुरू होने की संभावना है। इस दवा पर 15 साल तक काम करने वाले बार्क के विकिरण एवं स्वास्थ्य विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक संतोष कुमार संदूर ने बताया कि यह औषधि रेडिएशन थैरेपी के दौरान शरीर की सामान्य कोशिकाओं की रक्षा करने में मदद करती है। उन्होंने बताया कि यदि परमाणु दुर्घटना की चपेट में आए किसी व्यक्ति को 4 घंटे के भीतर यह दवा दे दी जाए तो उसके जीवन की रक्षा की जा सकती है।

न्याय न मिलने पर दिव्यांग ने एस.पी. कार्यालय पर की जान देने की कोशिश

मेरठ (विमं डेस्क)। प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर किसी को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाते हुए अधिकारियों को जनता की परेशानी सुनने के आदेश दिए थे लेकिन लगता है मेरठ पुलिस मुख्यमंत्री के आदेशों को सुन नहीं पाई और अपनी मर्ज़ी से काम करने पर आमादा है। जिसकी वजह से आज मेरठ एसएसपी के कार्यालय पर दिव्यांग ने अपनी जान देने की कोशिश की। दरअसल, मेरठ में पुलिस आफिस के सामने आज एक दिव्यांग ने अपनी जान देने की कोशिश की है। आज एसएसपी से मिलने में नाकाम मनोज नाम के दिव्यांग ने पुलिस आफिस के गेट के सामने सड़क पर खुद के ऊपर मिट्टी का तेल डाल लिया और अपनी जान देने की कोशिश की। मनोज को किसी तरह मीडिया कर्मियों और पुलिस के लोगों ने बचाया। जानकारी के मुताबिक मनोज पिछले कई दिनों से पुलिस आफिस और थाने के चक्कर काट रहा है। इंचौली थाने के निवासी मनोज के साथ मारपीट की गयी थी और कई हजार रूपये से उसके साथ ठगी की गयी थी। केस दर्ज होने के बावजूद पुलिस इस मामले में हीला हवाली कर रही है और आरोपियों के खिलाफअभी तक कार्रवाई नहीं की गयी है। पुलिस की चौखट से निराश मनोज की आज जब एसएसपी से मुलाकात न हो सकी तो उसने खुद को खत्म करने की कोशिश की।

दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ने की एक पहल

जयपुर (कासं)। दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से रविंद्र मंच सोसायटी के सहयोग से नाट्य संस्था नाट्यकुलम 1 जून से 30 तक दिव्यांग कला शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस कला शिविर में दिव्यांग बालकों को आवास और भोजन की नि:शुल्क सुविधा प्रदान की जाएगी। साथ ही सभी बच्चों को ब्रेल लिपि में शिक्षा, संगीत, नृत्य, नाटक, चित्रकला, हस्तकला का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

जौनपुर का लाल बना इंडियन दिव्यांग क्रिकेट टीम का कैप्टन

जौनपुर (विमं डेस्क)। अपनी दिव्यांगता के चलते बचपन में अपमान झेलने वाले जौनपुर के आशीष श्रीवास्तव आज अपने जज्बे और मेहनत से इंडियन दिव्यांग क्रिकेट टीम के कैप्टन बन चुके हैं। लेकिन आशीष के कामयाबी का यह सफर इतना आसान नहीं। दिव्यांगता के साथ-साथ उन्हें बचपन से ही अपने अस्तित्व बनाए रखने के लिए कदम-कदम पर संघर्ष करना पड़ा। बचपन में सुने साथियों के ताने जौनपुर जिले के जलालपुर के महरेव गाँव के रहने वाले आशीष को पैर में दिव्यांगता के चलते अपमान भी सहना पड़ा था। उनकी माँ करुणा श्रीवास्तव के मुताबिक, जब बचपन में वे आसपास के बच्चों के साथ क्रिकेट खेलना चाहते थे, तो उनके साथी उनका मजाक उड़ा कर उन्हें अपमानित कर देते थे। इसके चलते वे अकसर रोते हुए घर आते थे और उदास रहने लगे।

माँ ने दिया बैट-बॉल

करुणा श्रीवास्तव बताती हैं कि बेटे की उदासी देखकर उन्होंने आशीष को एक बैट और बाल खरीदकर दी और घर के अंदर ही खेलने को कहा। माँ के इस प्रोत्साहन के बाद धीरे-धीरे आशीष ने घर की चाहरदीवारी से बाहर अपने स्कूल के दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया। स्कूल के दिनों में भी पैर से दिव्यांग होने के बाद भी आशीष की बैटिंग और बालिंग सबसे बेहतर होती थी।

रिलेटिव के कहने पर दिया इलाहाबाद में ट्रॉयल

आशीष की माँ बताती है कि उनके बेटे का खेल देखकर उनके एक रिश्तेदार ने इलाहाबाद में होने वाली दिव्यांग खिलाड़ियों के टूर्नामेंट के बारे

में बताया। साल 1998 में आशीष ने इलाहाबाद जाकर ट्रायल दिया तो उसका सिलेक्शन कौशाम्बी जिले की टीम में हो गया। इसके बाद साल 2002 में उसने लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में इंटर-डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट में भाग लिया। इस मैच में उनका परफॉरमेंस देखकर सलेक्टर्स ने उसे साल 2004 में यूपी की दिव्यांग टीम में चुन लिया।

राह मिली तो रुके नहीं कदम

साल 2004 में ही राजस्थान के जयपुर में खेले गये चैंपियनशिप में आशीष ने भाग लिया। आशीष ने बताया कि 2007 तक होने वाली सभी मैच उसने कैनवास बाल से खेला। लेकिन साल 2008 में नियम बदलकर लेदर की बाल खेलने से कर दिया गया। साल 2011 में आशीष की मेहनत का फल उन्हें मिला और उनका सिलेक्शन भारत की राष्ट्रीय दिव्यांग टीम में हो गया।

आशीष ने भारत को जिताए कई इंटरनेशनल मैच

फरवरी 2015 में भारत में हुए एशिया कप में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगलादेश और श्रीलंका को हराकर एशिया कप पर कब्जा जमा लिया। एशिया कप में आशीष ने अपने आलराउंड परफॉरमेंस और कप्तानी से इंडियन टीम को सितम्बर 2015 में भारत श्रीलंका के बीच हुए पांच टेस्ट मैच को 3.2 जीत दिलाई। मई 2014 में बैंकाक में भारत ने बैंकाक को तीनो मैच हरा दिया। दिसम्बर 2014 में श्रीलंका में हुए मैच को भारत ने जीता। इसके बाद 2015 में ही हैदराबाद में अक्टूबर में हैदराबाद में खेले गए सीएम ट्राफी के फाईनल मैच श्रीलंका ने भारत की हराकर ट्राफी पर कब्जा जमा लिया। 2011 और 2013 में हुए इंटरनेशनल क्रिकेट टूर्नामेंट को भारत ने जीता, इसमें भी आशीष की भूमिका अहम रही।

डॉ.योगेन्द्र सिंह नरुका ने टेरोकोटा वर्कशॉप में भाग लिया

जयपुर (कासं)। राजकीय सेठ आनंदीलाल पोदार मूक बधिर उ.मा. विद्यालय के शाला प्रभारी डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका ने राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर के कला प्रकोष्ठ द्वारा गत दिनों राजसमंद में आयोजित कला शिक्षा संदर्भ व्यक्तियों की क्षमता संवर्धन एवं अभिनवन कार्यशाला में भाग लिया। इस वर्कशाप में राज्य भर से दस कला संदर्भ विषय विशेषज्ञों का चयन किया गया था। कार्यशाला में डॉ. योगेन्द्र सिंह नरूका ने टेरोकोटा माध्यम से विभिन्न कलात्मक वस्तुओं व म्यूरल पेनल बनाने में अपनी टीम का सहयोग किया।

मुख्यमंत्री ने दिव्यांग लखनलाल को दी आवास की सौगात

रायपुर निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह लोक सुराज अभियान के तहत आज अचानक जांजगीर, चांपा जिले के ग्राम सिरीं (विकासखंड पामगढ़) पहुंचे। उन्होंने वहां पर चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित दिव्यांग लखनलाल साहू की मांग पर उन्हें प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति भी दी।

मुख्यमंत्री के हाथों खिलौने पाकर खिल उठे बच्चों के चेहरे

चौपाल के पास ही एक व्यक्ति खिलौने बेच रहा था। चौपाल में बच्चे भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने खिलौने बेच रहे ठेलेवाले से खिलौने खरीदकर बच्चों को बांटे। खिलौने पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों ने मुख्यमंत्री को खिलौने के लिए धन्यवाद दिया।

डे केयर सेंटर की लापरवाही के चलते 9 माह की बच्ची की उंगली काटी

गुरुग्राम (विमं डेस्क)। एक नामी डे केयर सेंटर की लापरवाही का ऐसा मामला सामने आया है जिससे एक नौ महीने की बच्चे के हाथ की उंगली को काटना पड़ा। बच्ची के परिजनों ने उसे मेडिसिटी में एडमिट करवाया, जहां पर उसकी एक सर्जरी हो चुकी है। दूसरी होनी बाकी है। बच्ची की मां भावना रस्तोगी ने इसे डे केयर सेंटर की लापरवाही मानते हुए पीएमओ, विदेश मंत्री, मेनका गांधी, प्रदेश के सीएम, हर माह 16 हजार रुपये फीस देती हैं। रोजमर्रा की तरह शुक्रवार को उन्होंने अपनी बच्ची को सुबह दस बजे डे केयर सेंटर में छोड़ा था। इसके एक घंटे बाद 11 बजे उनके पास यहां से फोन आया और बताया गया कि उनकी बेटी की उंगुली कट गई है। इसे सुनते ही उनके होश उड़ गए।

हादसा शुक्रवार (19 मई) सुबह उस वक्त हुआ जब मेड बच्ची का डाइपर चेंज कर वॉशरूम से निकल रही थी। बच्ची मेड की गोद में थी। लकड़ी के सख्त दरवाजे के बीच उसकी लेफ्ट हैंड की रिंग फिंगर आ गई। बच्ची की अंगुली का अगला हिस्सा कट गया। उसके हाथ से खून बहने लगा। उसका रो रोकर बुरा हाल था। आरोप है कि उस वक्त यहां के सीसीटीवी भी काम नहीं कर रहे थे। जब उन्होंने मैनेजमेंट से सीसीटीवी कैमरों के फुटेज मांगे तो उन्होंने बताया कि उस वक्त सीसीटीवी अनप्लग था। ब्लॉग में बच्ची की मां ने बताया कि जब उन्होंने डे केयर की फाउंडर से इस बारे में जवाब मांगा तो उन्होंने कहा कि गुड़गांव में उनके तीन सेंटर चल रहे हैं। वहां पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, ट्रेंड मेड सहित अन्य सुविधाएं हैं।

क्या होता है ये डे केयर सेंटर

बड़े शहरों में कामकाज की भागदौड़ और आगे बढ़ने की ललक ने लोगों को अपनों को अपनों से दूर कर दिया। आलम ये हो गया है कि अपने बच्चों की देखभाल के लिए भी लोगों को डे केयर सेंटर का सहारा लेना पड़ता है। क्योंकि माता-पिता के पास अपने बच्चों के लिए समय नहीं होता है। माता-पिता दोनों लोग काम पर जाते है और पीछे से बच्चों को छोड़ दिया जाता है डे केयर सेंटर के हवाले। ये डे केयर सेंटर पूरे दिन बच्चे की देखभाल का दावा करते है, बच्चों के खाने-खिलाने, पॉट्टी साफकरने, समय-समय पर उनके डाइपर बदलने जैसे सारे काम जो उन बच्चों के माता-पिता या परिजनों को करने चाहिए। बड़े शहरों में यदि पति-पत्नी दोनों कमाने वाले हों और घर पर बच्चों की देखभाल करने के लिए कोई भी न हो तो ऐसे डे केयर सेंटर वालों की दुकानदारी चलती रहती है।

मीडिया को फैसबुक पर टैग कर पूरा मामला बताया है। भावना ने इस मामले में सभी से सहयोग करने की अपील की है। इस मामले को लेकर परिजन जल्द ही पुलिस कमिश्नर से मिलकर शिकायत देंगे। बच्ची की मां ने डे केयर में सीसीटीवी कैमरे के काम नहीं करने का भी आरोप लगाया है।

भावना रस्तोगी डीएलएफ फेज 4 की रेजेंसी पार्क में रहतीं हैं। उन्होंने दो माह पहले शहर के एक नामचीन अस्पताल के डे केयर सेंटर में अपनी 9 माह की बच्ची का एडमिशन करवाया था। भावना बच्ची की देखभाल के लिए

निराश्रित बच्चों के पालन-पोषण के लिये फॉस्टर केयर योजना संचालित

भोपाल (जसं)। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले ऐसे बालक जिनके माता-पिता का देहांत हो गया है या किसी अन्य कारण से पूर्णत: निराश्रित है, ऐसे बालकों के पालन-पोषण तथा देखभाल के लिए महिला सशक्तिकरण विभाग द्वारा फॉस्टर केयर योजना संचालित है। फास्टर केयर योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के पालन-पोषणकर्ता को सहायता राशि उपलब्ध कराई जाती है। पूर्व में निराश्रित बच्चों के विस्तारित कुटुम्ब के पालन-पोषणकर्ता को बच्चों के पालन-पोषण के लिए सहायता राशि दी जाती थी। वर्तमान में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधान अनुसार योजना में काफी परिवर्तन किए गए हैं। मुख्य परिवर्तन यह किया गया है, कि अब निराश्रित बच्चों का पालन-पोषण यदि विस्तारित कुटुम्ब करता है, तो उसको योजना के अंतर्गत पात्र नहीं माना जाएगा। योजना अंतर्गत कुटुम्ब से पृथक कोई व्यक्ति या संस्था बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी लेना चाहता है, तो उसे सक्षम अधिकारी द्वारा फिट पर्सन या फिट संस्था घोषित किया जाएगा और योजना के अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली आर्थिक सहायता प्रदाय की जाएगी। फिट संस्था या फिट पर्सन हेतु कोई व्यक्ति या संस्था कार्यालय जिला महिला सशक्तिकरण अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

पतंजलि व आर्य समाज ने बांटे बिस्कुट के पैकेट

कोटा (निप्र)। पतंजलि योग समिति कोटा व आर्य समाज कोटा के संयुक्त तत्वावधान में न्यू कॉलोनी गुमानपुरा स्थित शीतला माता मंदिर में साप्ताहिक महिला सत्संग के पश्चात बिस्कुट के पैकेट वितरित किये गये। आर्यसमाज जिला

प्रधान अर्जुनदेव चढ्ढा, मनोहरलाल शर्मा, पतंजलि समिति के जे.एस.दुबे, पंजाबी समाज से महेन्द्र निझावन, कश्मीरी लाल खुराना, प्रतिमा छाबड़ा, यशोदा निझावन, कृष्णा वाधवा ने पैकेट वितरित किये।

अर्जुनदेव चढ्डा ने बताया कि हरिद्वार से स्वामी रामदेव जी ने पतंजलि के बिस्कुट खाद्यान के पैकेट प्रसाद के रूप में भिजवाए हैं।

भावी चिकित्सकों ने जानी दिव्यांग बच्चों की परेशानी

गोहाना (विमं डेस्क)। गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की छात्राओं का दल शहर में देवीलाल चौक के निकट स्थित जागृति मानसिक बाल दिव्यांग केंद्र में पहुंचा। यहां भावी चिकित्सकों ने दिव्यांग बच्चों से बातचीत करके उनकी परेशानी जानने का प्रयास किया। दल में एमबीबीएस की 20 छात्राएं शामिल रहीं। यह दल डॉ.गौरव व डॉ.पूनम के नेतृत्व में केंद्र पहुंचा। केंद्र के निदेशक डॉ.दलबीर राठी के साथ शिक्षिका भगवती, मीना, ममता और रेखा ने छात्राओं को दिव्यांग की समस्याओं के बारे में बताया। भावी चिकित्सकों ने बच्चों से बातचीत भी की। डॉ.गौरव ने कहा कि इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को इन बच्चों की कठिनाइयों और समस्याओं से रूबरू करवाना था। छात्राओं को अपने कार्यक्षेत्र में निपुण करने के उद्देश्य से यह दौरा करवाया गया।

जयपुर फुट यूएसए बीएसएफ के जवानों को लगाएगा निशुल्क कृत्रिम पैर

जयपुर (कासं)। न्यूयॉर्क में हुई जयपुर फुट यूएसए की बैठक में संस्थापक डीआर मेहता से परामर्श कर जयपुर फुट यूएसए के चेयरमैन प्रेम भंडारी ने न्यूयॉर्क में घोषणा की है कि जयपुर फुट यूएसए बीएसएफके जवानों को निशुल्क कृत्रिम पांव लगाएगा। न्यूयॉर्क में हुई जयपुर फुट यूएसए की बैठक में बीएसएफके निदेशक के के शर्मा भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जयपुर फुट यूएसए ने घोषणा की कि सीमा पर या कहीं भी बीएसएफको किसी जवान के लिए कृत्रिम पांव की आवश्यकता होगी तो पांव निशुल्क लगाए जाएंगे। प्रेम भंडारी ने बताया कि बीएसएफ हर समय जयपुर फुट यूएसए द्वारा भारत में लगाए जाने वाले निशुल्क दिव्यांग शिविरों में पूरा सहयोग करता है तथा इस दौरान बैठक में डीजी बीएसएफ का आभार व्यक्त किया गया। अमेरिका के परफ्यूम व्यापारी कनक गोलिया ने भी इसी वर्ष अपने माता पिता की स्मृति में जोधपुर में दिव्यांग शिविर के आयोजन की घोषणा की है। प्रेम भंडारी ने बताया कि नवंबर दिसंबर में वे केंद्र सरकार के साथ मिल जोधपुर को दिव्यांग मुक्त बनाया जाएगा।

100 सालों में धरती छोड़ दे इंसान वरना जिंदा रह पाना होगा मुश्किल!

नई दिल्ली (विमं डेस्क)। जलवायु परिवर्तन को लेकर दुनिया के महान भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग ने मानव जाति के लिए एक गंभीर तरह की

चेतावनी जारी की है। उनका कहना है कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और उल्का पिंडों के टकराव से खुद को बचाए रखने के लिए मनुष्य को दूसरी धरती खोजनी होगी। अगर ऐसा नहीं कर पाये तो 100 साल बाद पृथ्वी पर मानव जाति का बचे रहना मुश्किल होगा। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री एक्पेडिशन न्यू अर्थ में स्टीफन हॉकिंग और उनके छात्र रहे क्रिस्टोफ गलफर्ड बाहरी दुनिया में मानव जाति के लिए जीवन की तलाश करते नजर आएंगे। इसी डॉक्यूमेंट्री में हॉकिंग ने दावा किया है कि मानव जाति को अगर जिंदा रहना है तो उसे किसी अन्य जगह पर जीवन की तलाश करनी होगी। अंग्रेजी अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, बीबीसी के इस शो का मकसद ब्रिटेन के सबसे बेहतरीन अविष्कार की खोज करना है। इसमें लोगों से ये पूछा जाएगा कि किस अविष्कार ने उनके जीवन को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। यह डॉक्यूमेंटरी बीबीसी के विज्ञान आधारित शो टूमारोज वर्ल्ड का हिस्सा है। पिछले महीने भी हॉकिंग ने चेताया था कि तकनीकी विकास के साथ मिलकर मानव की आक्रामकता ज्यादा खतरनाक हो गई है। यही प्रवृति परमाणु या जैविक युद्ध के जरिए हम सबका विनाश कर सकती है। उनका कहना था कि एक वैश्विक सरकार ही हमें इससे बचा सकती है। वरना मानव बतौर प्रजाति जीवित रहने की योग्यता खो सकता है।

उल्लेखनीय है कि स्टीफन हॉकिंग 75 साल के हैं और मोटर न्यूरोन नाम की बीमारी से पीड़ित हैं। इसलिए वह बोल नहीं सकते हैं और शारीरिक रूप अक्षम भी हैं। हालांकि इंटेल की ओर से बनाई गई एक खास मशीन के जरिए वह दुनिया तक अपनी बातों को रखने में सक्षम हैं और अपने अविष्कार से लोगों को रू-ब-रू कराते रहते हैं।

इंजीनियरिंग के छात्रों ने निशक्तों के लिए बनाई सौर ऊर्जा साइकिल

जोधपुर (निप्र)। जीत इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र यश बोहरा, सौरभ व ऋषभ ने निशक्तजनों की तकलीफ को देखते हुए ऐसी ट्राई साइकिल बनायी है जो सौर ऊर्जा से संचालित होगी।

विकलांगों की हालत व मजबूरी को देखकर इन छात्रों का दिल पसीजा व एक प्रोजेक्ट बनाकर जीत कॉलेज प्रशासन को सौंपा। साथ ही वो ट्राई साईकिल भी सौंपी है जो इन मास्टर इंजीनियर्स ने तैयार की है।

इंजीनियरिंग इलेक्ट्रिकल विंग के छात्र यश बोहरा, सौरभ आसोपा व ऋषभ बाफना ने बताया कि ये ट्राईसाईकिल सौर ऊर्जा की मदद से चार्ज होने वाली बैटरी से संचालित होगा। जिसे 30 से 40 किलोमीटर की स्पीड से चलाया जा सकता है। जो कि डीसी मोटर के जरिए दौड़ेगी। इन छात्रों का दावा है कि विकलांग व निशक्तजन इसे बिना अधिक कठिनाई व मेहनत से चला सकेंगे।

ये साईकिल विकलांग व्यक्ति के लिए इसलिए भी फायदेमंद रहेगी क्योंकि इसके जरिए वो अपने हर छोटे मोटे काम में इसे उपयोग में ले सकेगा। तीन पहियों की इस ट्राई साईकिल को तैयार करने के बाद इसे कॉलेज के प्रागंण में चलाकर इसका डेमो सफलतापूर्वक देने के बाद इस प्रोजेक्ट रिपोर्ट को जीत कॉलेज प्रशासन को सौंपा गया है। इन छात्रों का दावा है कि निशक्तजन इस ट्राई साईकिल को टैक्सी के रूप में भी उपयोग में ले सकेंगे और अपने रोजगार का साधन भी बना सकेंगे।

मीनू स्कूल में पानी की टंकी भेंट

अजमेर निप्र)। राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था चाचियावास, अजमेर द्वारा संचालित मीनू स्कूल में पेयजल व्यवस्था के लिए संदीप रांका व आशीष रांका नया बाजार वालों की तरफसे 825 लीटर पानी की टंकी भेंट की गई। प्रधानाध्यापक ईश्वर शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया की विद्यालय में 143 बच्चे अध्ययनरत हैं बडी टंकी मिलने से गर्मी के मौसम में बच्चों व विद्यालय स्टाफ को पेयजल की बहुत सुविधा मिलेगी।

विद्यालय में दिव्यांग व सामान्य बच्चों को सम्मिलित शिक्षण करवाया जाता है शिक्षा उपनिदेषक तरूण शर्मा व प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सक्सैना द्वारा पेयजल के लिए टंकी भेंट करने हेतु आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम में मंजु शर्मा, देवकरण कुमावत, माया कुमारी, करूणा शर्मा, सीमा मेघवंशी, विक्रान्त बोयत ,नादान भाटी आदि उपस्थित थे।

अर्जुनदेव चद्दा प्रधान, सुनील दुबे मंत्री निर्वाचित

कोटा (निप्र)। आज आर्य समाज विज्ञाननगर के वार्षिक चुनाव, चुनाव अधिकारी आचार्य अग्निमित्र शास्त्री, सह चुनाव अधिकारी उमेश कुर्मी की देखरेख में सम्पन्न हुए।

चुनाव में सर्वसम्मति से अर्जुनदेव चद्दा को प्रधान, सुनील दुबे को मंत्री व महेन्द्रपाल शर्मा को कोशाध्यक्ष निर्वाचित किया गया। चुनाव में उपरोक्त के अतिरिक्त 12 सदस्यों को पदाधिकारी व अन्तरंग सदस्य भी सर्वसम्मति से चुना गया। इस अवसर पर जिलासभा के मंत्री कैलाश बाहेती पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे।

शादी में 450 दिव्यांग बच्चे बने वीवीआईपी गेस्ट

भोपाल (विमं डेस्क)। राजधानी में अनोखी शादी हुई। यह विवाह समारोह अनोखा इसीलिए था क्योंकि इसमें 450 दिव्यांग बच्चे बतौर वीवीआईपी गेस्ट शामिल हुए। शहर के डॉ.चंद्रेश शुक्ला और जबलपुर की डॉ.देवाश्री अवस्थी ने अपनी शादी को खास और यादगार बनाने के लिए बड़े ही अनोखे अंदाज में शादी की। इसमें दिव्यांग बच्चों ने वीवीआईपी गेस्ट की भूमिका निभाई। बच्चों के चेहरे पर खुशी देख डॉ.चंद्रेश ने सात फेरे लिए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शादी में शामिल हुए।

अंधेपन के इलाज में मछली की आंख मददगार

न्यूयॉक (विमं डेस्क)। वैज्ञानिकों ने जेब्रा मछली के मस्तिष्क में मौजूद एक रसायन की खोज की है, जिससे यह जानने में मदद मिलेगी कि मछली की आंखों में रेटीना किस तरह विकसित होती है। इस शोध से मानव में अंधेपन के इलाज में मदद मिलने की संभावना है। निष्कर्षों से पता चलता है कि जीएबीए (गामा एमीनोब्यूट्रिक एसिड) एक न्यूरोट्रांसमीटर है, जिसका उपयोग तंत्रिका गतिविधियों को शमित करने के लिए जाता है। एएमडी (एज रिलेटेड मैकुलर डिजेनेरेशन) का नया उपचार किया जा सकेगा। यह अंधेपन और रेटिनिटिस पिगमेंटोसा का सबसे सामान्य कारक है। शोधकर्ताओं ने कहा कि मछलियों और स्तनधारियों के रेटीना (आंख के पीछे स्थित प्रकाश संवेदन ऊतक) की संरचना मूल रूप से समान होती है। इस तरह जीएबीए में कमी से रेटीना के फिर से बनने की शुरुआत हो सकती है। अमेरिका के टेनेसी में वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जेम्स पैटन ने कहा, हमारा मानना है कि जीएबीए की मात्रा में कमी से रेटीना फिर से बनने लगती है। पैटन ने कहा, यदि हम सही हैं तो जीएबीए अवरोधक के इलाज से मानव रेटीना में सुधार की पूरी गुंजाइश है। शोध में वैज्ञानिकों ने एक अंधी मछली में दवा का इजेक्शन दिया तो पाया कि रेटीना में जीएबीए की सांद्रता उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिससे रेटीना के फिर से बनने की प्रक्रिया दब गई।

योगी सरकार ने दिव्यांगों के लिए बढ़ाई पेंशन राशि

लखनऊ (विमं)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाकर 500 रुपए महीना करने का आज फैसला किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में यह महत्वपूर्ण फैसला किया गया।

बैठक के बाद कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, अभी तक उत्तर प्रदेश में दिव्यांगों को 300 रुपए मासिक पेंशन दी जाती थी, जिसे बढाकर 500 रुपए करने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि विभागीय प्रस्तुतिकरण के दौरान मुख्यमंत्री को इस बारे में जब जानकारी मिली थी, तो उन्होंने पेंशन बढाकर 500 रुपए करने का प्रस्ताव किया था, जिसे आज कैबिनेट ने मंजूर कर लिया।

इंग्लिश चैनल तैरने वाले देश के पहले दिव्यांग होंगे सत्येंद्र सिंह

भोपाल (विमं)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विक्रम पुरस्कार विजेता दिव्यांग तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया को इंग्लिश चैनल सफलतापूर्वक तैरने के लिए शुभकामनाएँ दी हैं। लोहिया ने मुख्यमंत्री से उनके निवास पर भेंट कर ब्रिटेन यात्रा के लिये दो लाख रूपये दिए जाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। लोहिया ने शिवराज सिंह चौहान को बताया कि चैनल एसोसिएशन के आमंत्रण पर वे आगामी 3 जून को ब्रिटेन जा रहे हैं। वहाँ वे एक माह का विशेष प्रशिक्षण भी प्राप्त करेंगे। उनको 30 जून से 8 जुलाई तक इंग्लिश चैनल तैरने का समय दिया गया है। उन्होंने बताया कि 75 प्रतिशत नि:शक्तता के साथ इंग्लिश चैनल तैरने वाले देश-प्रदेश के पहले दिव्यांग तैराक होंगे।

पूज्या जया किशोरी ने विशेष बच्चों से की मुलाकात

उदयपुर (निप्र)। नारायण सेवा संस्थान में कथा वाचक पूज्या जया किशोरी व उनके पिता शिव शंकर शर्मा ने मानव मंदिर परिसर में नि:शुल्क दिव्यांग चिकित्सा, मूक-बधिर व विमंदित बच्चों द्वारा तैयार शिल्प एवं दिव्यांगों के नि:शुल्क रोजगारपरक प्रशिक्षण आदि कार्यों का अवलोकन किया। निदेशक वंदना अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने पूर्व पोलियोग्रस्त दिव्यांग, जो नि:शुल्क ऑपरेशन से स्वस्थ हुए बच्चों, किशोर-किशोरियों से कुशलक्षेम पूछी व उन्होंने संस्थापक कैलाश मानव, सह-संस्थापिका कमला देवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल तथा संस्थान ट्रस्टी देवेन्द्र चौबीसा से भी भेंट की और उनसे संस्थान की कार्यप्रणाली समझी और सेवा कार्यों को सराहा। निदेशक वंदना अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह भेंट किया।

एसिड अटैक पीड़िता को रांग नंबर से मिला सपनों का राजकुमार

ठाणे (विमं)। यह कहानी है तेजाब पीड़ित एक युवती की। पांच साल पहले एक सनकी की इस हरकत ने उसकी जिंदगी की गाड़ी को पटरी से उतार दिया लेकिन एक रॉंग नंबर ने उसको न सिर्फ सपनों के राजकुमार से मिला दिया बल्कि उससे शादी के बंधन में भी बांध दिया। ललिता बंसी को 2012 में तेजाब के हमले का निशाना बनने के बाद 17 ऑपरेशन कराने पड़े। जिंदगी बेरंग लगने लगी थी तभी गलती से एक दिन उससे 27 साल के राहुल कुमार उर्फ रवि का नंबर लग गया और उसे उससे प्यार हो गया। जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली।

ललिता और रवि ने यहां अपने परिवार, दोस्तों और तेजाब हमले की पीड़ितों की मदद के लिये काम करने वाले एक गैर सरकारी संगठन के लोगों की मौजूदगी में शादी कर ली। ललिता जहां ठाणे के कलवा इलाके की रहने वाली है वहीं रवि मुंबई के उपनगरीय मलाड में रहता है। उनके बीच चार साल पहले एक रॉन्ग नंबर लग जाने से संपर्क हुआ जो बात करते-करते प्यार में बदल गया।

शादी में मौजूद मुंबई स्थित करेज इनक्यूबमेंट फाउंडेशन की अध्यक्ष दौलतबी खान के मुताबिक शुरू में फोन पर बात करने के बाद ललिता और रवि को एक-दूसरे से प्यार हो गया। उन्होंने कहा कि दुल्हन का बिगड़ा हुआ चेहरा रवि के ललिता के प्रति प्यार और प्रतिबद्धता के रास्ते में आड़े नहीं आया। ललिता के बारे में बताते हुए खान ने कहा कि पांच साल पहले उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ में उसके चाचा के गांव में उसके एक रिश्तेदार ने किसी बात पर झगड़ा होने के बाद उस पर तेजाब डाल दिया था। इस हमले में उसका चेहरा बिगड़ गया था।

खान ने कहा, करीब चार महीने पहले एक परिचित को फोन करने के दौरान ललिता से रांग नंबर लग गया, जिसने एक तरह से उसकी जिंदगी बदल दी। यह रांग नंबर एक निजी कंपनी में सीसीटीवी ऑपरेटर रवि को लगा।

जल्दी ही वे दोस्त बन गये और फिर उनमें प्यार हो गया। हाल तक ललिता ने रवि से मुलाकात नहीं की थी क्योंकि उसे अपने अतीत को लेकर थोड़ी आशंका थी। लेकिन बाद में उसने रवि से मुलाकात के बारे में सोचा और उसके आश्चर्य का तब ठिकाना नहीं रहा जब रवि ने कहा कि उसने ललिता से प्यार किया है उसके घावों से नहीं। खान ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता विवेक ओबरॉय ललिता के आगे के इलाज का खर्च उठाएंगे।

डीयू में अब दिव्यांग छात्रों को मिलेगा पांच प्रतिशत कोटा

दिल्ली (विमं)। डीयू में चल रहे दाखिले की दौड़ में दिव्यांग छात्रों के लिए एक खुशखबरी है। डीयू प्रशासन अपनी एडमिशन गाइडलाइन में राइट ऑफ पर्सन विद डिसएबिलिटीज एक्ट 2016 को लागू करने जा रहा है, जिसके तहत दिव्यांग छात्रों का कोटा अब पांच प्रतिशत हो जायेगा। इसके पहले यानी पिछले साल यह कोटा तीन प्रतिशत था। गौरतलब है कि इस कानून के तहत थैलेसीमिया और हीमोफीलिया आदि से परेशान छात्रों को भी इस कोटे का लाभ मिलेगा। यही नहीं, किसी भी प्रकार की शारीरिक और मानसिक अक्षम छात्रों को इस कोटे का लाभ मिलेगा। किसी प्रकार से अक्षम छात्र दाखिले से चूक न जायें, इसके लिए डीयू प्रशासन ने अपनी एडमिशन गाइडलाइन में विस्तार से बताया है। गौरतलब है कि डीयू के सारे कॉलेज शारीरिक या मानसिक रूप से अक्षम छात्रों को विशेष प्रकार की छात्रवृत्ति प्रदान करते हैं, ताकि छात्रों को आर्थिक तंगी का सामना न करना पड़े। एडमिशन पाने के बाद ऐसे छात्र छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह छात्रवृत्ति तीन हजार रुपये है। इसके साथ ही छात्र की पूरी फीस माफ हो जाती है और हॉस्टल के मेस में खाने का खर्च भी आधा हो जाता है।

पानीपत के रिंकू वर्मा को दिव्यांग शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया

पानीपत (विमं)। दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में दिव्यांग शक्ति सम्मान समारोह हुआ। सामाजिक न्याय और अधिकारिता केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार विजय सांपला और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू विशेष तौर पर पहुंचे। समारोह में पानीपत की विकलांग विकास संस्था के अध्यक्ष रिंकू वर्मा को दिव्यांग शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संस्था चलाकर दिव्यांगों के कल्याण के लिए कार्य करने पर उन्हें सम्मान मिला। इस अवसर पर कपिल अग्रवाल, सुमन बाला, सोनू बोला को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

दिव्यांग भी अब राष्ट्रगान के दौरान ऐसे करेंगे देश का सम्मान

नई दिल्ली (विमं)। कुछ दिनों पहले ये नियम कर दिया गया कि फिल्म शुरू होने से पहले सिनेमाहॉल में राष्ट्रगान बजेगा जिसमें सबको खड़ा होना होगा। ऐसे में सिनेमा हॉल में फिल्म प्रदर्शन के पहले राष्ट्रगान के दौरान अब दिव्यांगों को भी आदर भाव प्रदर्शित करना होगा।

खबर के मुताबिक गृह मंत्रालय ने इसके लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। प्रदेश सरकार ने भी एडवाइजरी जारी कर दी है। इसमें राष्ट्रगान के प्रति आदर प्रदर्शित करने के लिए अलग-अलग तरीके बताए गए हैं। इसमें भी बौद्धिक अक्षम व्यक्तियों को छूट दी गई है। व्हील चेयर का उपयोग करने वाले व्यक्ति को राष्ट्रगान के दौरान व्हील चेयर रोककर बैठे-बैठे ही सावधान की मुद्रा में आना होगा। दिव्यांग बैसाखी का इस्तेमाल करता है तो राष्ट्रगान के दौरान बिना हिले-डुले सावधान की मुद्रा में स्थिर खड़ा होना होगा।

बधिर या सुनने में कठिनाई महसूस करने वाले व्यक्ति सावधान खड़ा होना होगा। उन्हें सूचना देने के लिए स्क्रीन पर संकेत भाषा में जानकारी दी जाए। दृष्टि बाधित या अल्प दृष्टि वाले व्यक्ति को राष्ट्रगान के आदर में उठकर खड़ा होना होगा।

अनु. जनजाति के दिव्यांगों को जन औषधि केन्द्र खोलने में दी जाएगी सहायता

भोपाल (जसं)। अनुसूचित जनजाति के दिव्यांग पात्र हितग्राहियों को जन औषधि केन्द्र खोलने हेतु 4 लाख 50 हजार तक की ऋण राशि उपलब्ध कराई जाएगी। नेशनल हेण्डीकेप्ड फाइनेन्स एण्ड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना संचालित की जा रही है।

इसके अंतर्गत जन औषधि केन्द्र खोलने पर अनुसूचित जनजाति के दिव्यांग हितग्राही को 4 लाख 50 हजार रूपये तक का ऋण 6 प्रतिशत वार्षिक दर पर उपलब्ध कराई जाएगी।

ब्यूरो आफ फार्मा ऑफ इंडिया द्वारा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधी केन्द्र संचालित करने वाले हितग्राहियों को प्रशिक्षण भी देगी इच्छुक पात्र हितग्राही म.प्र. आदिवासी वित्त विकास निगम कार्यालय से आवेदन नि:शुल्क प्राप्त कर सकते है। आवेदन प्राप्त करते समय आवेदक को स्वयं का विकलांगता का प्रमाण पत्र स्थायी जाति, मूल निवासी, आधार कार्ड, पेन कार्ड, दुकान के दस्तावेज, संस्था का रजिस्ट्रेशन क्रमांक, ड्रग कट्रोलर कार्यालय का रजिस्ट्रेशन आदि प्रमाण पत्र लेकर उपस्थित होना होगा।

दिव्यांग कला शिविर-2017 का आयोजन

जयपुर (कासं)। शहरवासियों को प्रदेशभर के दिव्यांग और दृष्टिबाधित बच्चों की कला प्रतिभा से रुबरु होने का मौका मिलेगा। दिव्यांग बच्चे अपनी

नाट्य कला, गायन, वादन और नृत्य की नैसर्गिक प्रतिभा को एक मंच पर प्रदर्शित करते नजर आएंगे। इन बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए 1 जून से 30 जून तक नाट्यकुलम संस्थान आवासीय भवन अजमेर रोड पर दिव्यांग कला शिविर-2017 का आयोजन किया जाएगा। रवीन्द्र मंच सोसायटी और नाट्यकुलम के संयुक्त तत्वावधान में इस एक माह के शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में प्रदेशभर की विभिन्न संस्थाओं और स्कूलों के लगभग 50 बच्चे भाग लेंगे। शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को अपनी कला को प्रदर्शित करने का उचित अवसर प्रदान किया जाएगा। शिविर के दौरान नाटक, संगीत, नृत्य और चित्रकला के साथ-साथ हस्तकला का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही शिविर के दौरान दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न कलाओं के समीक्षक एवं कला गुरु भाग लेंगे।

ललित कला अकादमी में नाट्यकुलम के कुलगुरु भारत रत्न भार्गव ने शिविर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को एक मंच देने के साथ-साथ इन्हे समाज की मुख्यधारा में जोडने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है।

दिव्यांग बच्चे हुए राजस्थान की कला एवं संस्कृति से रुबरु

जयपुर (कासं)। श्री नारायण सांस्कृतिक चेतना न्यास और श्री चित्रगुप्त सभा ट्रस्ट कि ओर से 68 दिव्यांग बच्चे दिल्ली से जयपुर पहुंचे। इस दौरान सभी बच्चों के लिए को सांगानेर स्थित एक निजी होटल में सांस्कृतिक प्रस्तुति पेश की गई। दिल्ली से आए सभी दिव्यांग बच्चों को सांकेतिक भाषा के माध्यम से राजस्थान की संस्कृति और लोक गीतों के बारे में भी जानकारी दी। श्री नारायण सांस्कृतिक चेतना न्यास के अध्यक्ष राजन श्रीवास्तव बताया कि हमारा यहीं प्रयास है इन बच्चों को हर माह तरह तरह की एक्टिविटी की जाए ताकि दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ा जा सके।

राजस्थान में बनेंगे थ्री स्टार वृद्धाश्रम खाना-चिकित्सा सुविधा भी मिलेगी

जयपुर (कासं)। राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम नारायण गालव ने कहा कि राज्य में राज्य सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध कराकर दानदाताओं के सहयोग से पीपीपी मॉडल पर थ्री स्टार वृद्धाश्रम खोलने का प्रयास किया जाएगा। इन वृद्धाश्रमों में भोजन की जिम्मेदारी राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्नपूर्णा रसोई के माध्यम से की जा सकेगी। गालव ने को अम्बेडकर भवन में राजस्थान राज्य वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बोर्ड का प्रयास होगा कि राज्य में संचालित सभी वृद्धाश्रमों की प्रभावी मॉनीटरिंग के साथ उनमें रह रहे वृद्धजनों को जरूरी सभी सुविधाएं मिले।

उन्होंने बताया कि चिकित्सा विभाग द्वारा वृद्धजनों के लिए दवाईयाँ लेने एवं पंजीयन कराने के लिए अलग से काउंटर खोलने के आदेश जारी कर दिये हैं। गालव ने बताया कि वृद्धजनों की समस्या के समाधान के लिए वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड अपने स्तर पर वेबसाइट पोर्टल को तैयार करेगा जिस पर वृद्धजन अपनी समस्याओं को भेज सकेंगे। उन्होंने बताया कि गांवों, शहरों में ऐसे स्थानों का चयन किये जाने का प्रयास किया जाएगा। जहां सर्दी, गर्मी व वर्षा में वरिष्ठ नागरिकों को बैठने की सुविधा उपलब्ध हो। इसी प्रकार ग्राम पंचायत एवं नगर पालिका द्वारा ऐसे वृद्धजन केन्द्र स्थापित किए जाये जहां पर दानदाताओं के सहयोग से समाचार पत्र, धार्मिक पुस्तकें एवं मनोरंजन के साधन उपलब्ध हों जिससे वरिष्ठ नागरिक का दिन का समय आसानी से कट सके।

गालव ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित वृद्धजनों के लिए दिये जाने वाले बजट को बढ़ाने के लिए प्रयास करने के साथ वरिष्ठ नागरिक के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को संवेदनशीलता से कार्य करने के लिए बैठक बुलाने पर जोर दिया। बैठक में बोर्ड द्वारा गुजरात और मध्य प्रदेश में वरिष्ठ नागरिकों की गतिविधियों एवं राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का अध्ययन करने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष एवं बोर्ड के तीन सदस्यों के एक दल द्वारा भ्रमण करने का निर्णय लिया।

आदित्यनाथ ने दिलाई दिव्यांग लड़की को व्हील चेयर

लखनऊ (विमं)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा राज्य की जनता की परेशानियों पर ध्यान दिया जा रहा है। वे सीएम हाउस में लगभग हर दिन लोगों की परेशानियां सुन रहे हैं। ऐसे में उनसे मिलने एक दिव्यांग लड़की शबीना सैफी पहुंची। उसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भेंट की। शबीना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्हील चेयर की मांग की। दरअसल शबीना के परिवार की आर्थिक हालत ठीक नहीं थी, जिसके बाद योगी आदित्यनाथ ने उन्हें व्हीलचेयर भेंट करने में मदद की। सीएम योगी आदित्यनाथ से मदद मिलने के बाद शबीना सैफी दोबारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने पहुंची। उसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को श्रीमद्भगवत गीता के ही साथ राम नाम की चादर भेंट की।

दिव्यांग श्याम का मछली पालने का जुनून, पचास परिवारों को दी रोजी

रांची (विमं डेस्क)। श्याम कहता है कि मछली पालन को बढ़ावा देने के लिए मत्स्य विभाग ने वाहन, स्थायी शेड कार्यालय दिया है। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा कैज दिया गया है। उसने कहा कि सरकार द्वारा 5-6 एकड़ भूमि उपलब्ध करा दिया जाए तो रामगढ़ जिला मछली पालन के क्षेत्र में झारखंड की नहीं बल्कि कई राज्य में अग्रणी पंक्ति में खड़ा होगा।

श्याम की सफलता को देखते हुए विभागीय अनुशंसा पर प्रदेश के मुख्यमंत्री रघुवर दास ने दो बार, तत्कालीन मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, हेमंत सोरेन ने भी रांची में आयोजित झारखंड मत्स्य महोत्सव में श्याम को सम्मानित किया है। साथ ही विभाग के अधिकारी भी उसे सम्मानित कर चुके हैं।

मछलीपालन के क्षेत्र में श्याम कुमार केशरी ने झारखंड में अपनी पहचान कायम की है। इस सफलता में श्याम की दिव्यांगता भी आड़े नहीं आयी। धुन के पक्के श्याम के लिए मछली पालने का शौक जुनून बन चुका है। श्याम ने एनएच फोरलेन पर करीब डेढ़ एकड़ का नया तालाब बनाकर क्षेत्र के लोगों को ताजी मछलियों की आपूर्ति के साथ दो सौ परिवारों का भरण-पोषण करते हुए इस धंधे को एक नयी बुलंदी पर ले जाने की ठानी है। श्याम की सफलता ने ऐसा रंग दिखाया कि पशुपालन एवं मत्स्य विभाग उसका कायल हो गया। परिणाम स्वरूप श्याम को प्रदेश के मुख्यमंत्रियों रघुवर दास सहित अर्जुन मुंडा, हेमंत सोरेन ने उसे चार बार सम्मानित किया है। श्याम से जुड़े झारखंड-बिहार के करीब 50 मछुआरे, अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। श्याम कुजू क्षेत्र में मत्स्य जीवी सहयोग समिति संचालित कर बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग सहित बिहार के समस्तीपुर जिले के 50 मछुआरों को जोड़कर लगभग 2 सौ परिवारों को रोजी-रोटी से व्यवस्थित कर दिया है। श्याम ने वर्तमान में रांची-पटना मार्ग स्थित एनएच 33 फोरलेन कुजू में लगभग डेढ़ एकड़ का तालाब बनाया है। इस तालाब में रेहु, कतला, मृगल, सिल्वर कप, ग्लास्कर आदि प्रजातियों की मछली का पालन करता है। साथ ही सीसीएल कुजू क्षेत्र की बंद पड़ी खदानों सहित विभिन्न स्थानों के जलाशयों में मछली पालन कर सलाना करीब 3 से 4 टन उत्पादन करता है।

मछली पालन के साथ-साथ तालाब का सुंदरीकरण करते हुए हरा-भरा बनाकर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए योजना पर काम चल रहा है। इसे लेकर तालाब के चारों ओर छायादार और फलदार वृक्ष लगाए जा रहे हैं जिसमें आम, अमरूद, जामुन, गुलमोहर, सागवान सहित सहजन के डेढ़ सौ पेड़ लगाये गए हैं। साथ ही नौका विहार की भी व्यवस्था करने की तैयारी चल रही है।

अधिकारी सकारात्मक रुख रखें हर जरूरतमंद को मिले फायदा

सिरोही में मेगा शिविर के पहले दिन सैंकड़ो दिव्यांगों को मिली राहत

जयपुर (कासं)। सिरोही जिले में प्रशासन, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जयपुर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के साझा प्रयास से शुरू हुए तीन दिवसीय दिव्यांग उपकरण वितरण शिविर के पहले दिन बुधवार को सैकड़ों जरूरतमंद दिव्यांगों को राहत मिली। राजकीय अम्बेडकर छात्रावास पीडल्यूडी कॉलोनी सिरोही में आयोजित यह शिविर 26 मई तक चलेगा।

जिंदगी की राह आसान बनाने के लिए विभिन्न सहायक उपकरण हासिल करने की आस लिए सवेरे से ही दूर-दराज से दिव्यांगों का आना शुरू हो गया। दोपहर को सीरोही सांसद देवजी पटेल, विशेष योग्यजन आयुक्त धन्नाराम पुरोहित व अन्य अतिथियों के हाथों लाभान्वित करने का सिलसिला शुरू हुआ तो लाभार्थियों के चेहरे पर खुशी झलक उठी। किसी को जयपुर फुट की सौगात मिली तो किसी को ट्राइसाइकिल तो किसी को बैसाखी, किसी को व्हील चेयर, तो किसी को सुनने की मशीन मिली। पहले दिन 167 दिव्यांगों का पंजीयन किया गया। 11 दिव्यांगों को जयपुर फुट, 15 को कैलीपर्स, 12 को श्रवण यंत्र, 58 को ट्राइ साइकिल, 32 को जरूरतमंदों को बैसाखियों का वितरण किया गया। 113 दिव्यांगों के प्रमाण पत्र बनाए गए। इस मौके पर स्वरोजगार योजना के तहत ऋण भी मंजूर किया गया। जरूरतमंद हाथों-हाथ लाभान्वित होने पर खुश होकर अपने दिलों से दुआएं देते हुए अपने-अपने घरों को रवाना हुए।

सांसद देवजी पटेल ने शिविर के फायदों को रेखांकित करते हुए कहा कि दिव्यांग दूर-दूर प्रमाण पत्र बनवाने व उपकरण हासिल करने के लिए आते हैं, लेकिन कभी डॉक्टर नहीं मिलते तो कभी किसी अन्य कारण से उनका काम नहीं हो पाता है और वह भटकते रहते हैं। सुबह आने वाले दिव्यांग दोपहर होते-होते प्रमाण पत्र बनवाकर ट्राइसाइकिल, बैसाखी, व्हील चेयर, आदि उपकरण लेकर जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों व चिकित्सकों से तीन दिन पूरा मन लगाकर काम करने और ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों को लाभान्वित करने का आह्वान किया। दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने में सकारात्मक रुख अपनाएं।

सिरोही सांसद पटेल ने दिव्यांगों की समस्याएं सुनने के लिए राज्य स्तरीय टोल फ्री नम्बर शुरू करने की बात कही। उन्होंने विशेष योग्यजन आयुक्त हरफूल पंकज को तीन या चार अंकों के टोल फ्री नम्बर शुरू करने का प्रस्ताव बनाने के दिए। कोई भी दिव्यांग इस नम्बर पर अपनी समस्या दर्ज करा दें जो जयपुर से संबंधित जिला कार्यालय को भिजवा दें। जिला कार्यालय उस दिव्यांग की समस्या का समाधान कर रिपोर्ट प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

विशेष योग्यजन आयुक्त धन्नाराम पुरोहित ने कहा कि आगामी एक जून से यूनिक डिसेबिलिटी पहचान पत्र (यूडीआईडी) कार्ड बनाने का कार्य शुरू किया जाएगा। यह कार्ड यूनिवर्सल आईडी और डिसेबिलिटी सर्टिफिकेट का कार्य करेगा जिससे दिव्यांगों को सरकार से मिलने वाली सभी सुविधाएं मुहैया हो सकेगी। उन्होंने कहा कि वह आगामी पूरे दो दिन शिविर में मौजूद रहेंगे और दिव्यांगों की हर समस्या का समाधान करने का प्रयास करेंगे।

वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनरों के लिए अस्पताल में अलग से होगा काउंटर

जयपुर (कासं)। वरिष्ठ नागरिकों व पेंशनरों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सालय में पर्ची बनाने व पंजीयन के लिए अलग से काउंटर स्थापित किया जाएगा। पंजीकरण के लिए पहचान हेतु पृथक रंग की पर्ची भी बनाई जाएगी जिस पर वरिष्ठ नागरिक एवं पेंशनर अंकन किया जाएगा। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग के निदेशक डॉ. समित शर्मा ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किया हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सक को दिखाने के लिए वरिष्ठ नागरिक व पेंशनर की पृथक से लाइन बनाई जाएगी तथा अस्पतालों में बैठने की आवश्यक व्यवस्था भी की जाएगी। इसी प्रकार चिकित्सक द्वारा जांच, एक्स-रे, सोनोग्राफी लिखे जाने पर जांच काउंटर पर भी वरिष्ठ नागरिक और पेंशनर की पृथक से लाइन बनाई जा कर उपचार में प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि चिकित्सा विभाग ने निर्देश दिये हैं कि चिकित्सालय प्रभारी यह भी सुनिश्चित करेंगे की वरिष्ठ नागरिक व पेंशनर से रजिस्ट्रेशन काउंटर के अलावा अन्य किसी काउंटर पर पहचान की मांग नहीं की जाए।

हौसलों की उड़ान, दृष्टिबाधित प्राची ने पाया आईआईएम अहमदाबाद में दाखिला

वडोदरा (विमं)। सच्ची लगन, पक्का इरादा और कठोर परिश्रम के आगे बड़ी से बड़ी कठिनाइयां हार मान लेती हैं और इंसान यदि ठान ले तो कोई भी काम मुश्किल नहीं रहता। इस बात को एक बार फिर चरितार्थ किया है वडोदरा की प्राची सुखवानी ने। 21 वर्षीय बीबीए की छात्रा प्राची सुखवानी अपनी 80 फीसदी दृष्टि खो चुकी हैं इसके बावजूद उन्होंने दुनिया भर में प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद में दाखिल होने के सपने को सच कर दिखाया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक प्राची जब कक्षा तीन में थी तो जेनेटिक डिसऑर्डर के चलते उसी समय से वह अपना दृष्टि खोने लगीं। लेकिन अपनी इस कमजोरी को उन्होंने अपने सपने के आगे नहीं आने दिया। वह अपने सपने के पीछे लगी रहीं और अंततः कैट 2016 की परीक्षा में 98.55 प्रसेंटाइल प्राप्त किया। इस परीक्षा में प्राची दिव्यांग के रूप में शामिल हुई।

प्राची जिस बीमारी से पीड़ित हैं उसे मेडिकल भाषा में मैक्युलर डिस्ट्रॉफी के नाम से जाना जाता है। इस बीमारी ने धीरे-धीरे प्राची को अपने चपेट में लेना शुरू कर दिया और उनकी आंखों की रोशनी कम होने लगी। इस बीमारी का इलाज डॉक्टरों के पास भी नहीं है। अक्सर देखा जाता है कि अगर किसी इंसान को इस तरह की बीमारी होती है तो खुद को लाचार समझने लगता है।

प्राची के पिता सुरेश सुखवानी का गारमेंट का बिजनस है। उन्होंने बताया कि जब प्राची 15 साल की थी तो उनको चेन्नई में डॉक्टरों के पास ले जाते थे। डॉक्टरों ने उनको पढ़ने के लिए स्पेशल ग्लास पहनने की सलाह दी थी। लेकिन प्राची के हौसलों की इस उड़ान को यह बीमारी भी नही रोक पाई। आज परिवार में सभी प्राची पर गर्व करते हैं। प्राची के पिता अपनी बेटी के इस कामयाबी पर फूले नहीं समा रहे हैं क्योंकि आज उनकी बेटी ने अपने मेहनत के दम पर दुनिया के अग्रणी मैनेजमेंट संस्थानों में एक आईआईएम अहमदाबाद में दाखिला पा लिया है। अब प्राची सुखवानी अपनी इस कामयाबी के बाद किसी बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी से जुड़ना चाहती हैं और उसके बाद नेत्रहीन लोगों के लिए एक एनजीओ शुरू करेंगी। प्राची की मां कंचन होममेकर है लेकिन एलआईसी एजेंट के तौर पर भी काम करती हैं। उनकी बड़ी बहन निशिता मुंबई के एक प्राइवेट कॉलेज से एमबीए कर रही हैं। उन्होंने एमएसयू से बीबीए किया है।

साधन संपन्न लोगों की समाज में भागीदारी जरुरी

भिवानी (वि)। समृद्ध समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति का किसी न किसी रूप में योगदान होता है। साधन संपन्न लोगों को सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर भाग लेकर जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए। यह बात नगराधीश महेश कुमार ने बाल भवन स्कूल में कही। वे आज स्कूल में अदानी इंटरमिशन इंडिया लिमिटेड सीकर के महाप्रबंधक रजनीश पांडेय द्वारा स्कूल को भेंट किए वाटर कूलर के दौरान अपना संदेश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा भी समृद्ध व्यक्तियों से अपील की गई है कि वे गांवों या स्कूलों को गोद लेकर वहां पर अपना योगदान दें ताकि समाज में उनकी भी सार्थक भागीदारी बने। उन्होंने

कहा कि सरकार की अपील पर लोगों द्वारा गांवों व स्कूलों को गोद लेने की पहल भी की जा रही है और वहां पर अपने सामर्थ्य अनुसार अपना योगदान दिया जा रहा है, जो सही संदेश है। उन्होंने कहा कि साधन संपन्न लोगों को चाहिए कि वे गांवों के विकास कार्यों और स्कूलों में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि पुण्य का कार्य हमेशा फलीभूत होता है। जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि भिवानी क्षेत्र सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहता है और यहां के लोग सामाजिक कार्यों में बढचढ़ कर भाग लेते हैं। सीटीएम ने पांडेय द्वारा स्कूल को भेंट किए गए वाटर कूलर के कार्य की प्रशंसा की और अपील की कि अन्य लोगों को भी इस तरह के कार्यों में आगे आना चाहिए।